SHRI RAM VILAS PASWAN : Sir...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now, what is your point, Mr. Paswan? ...(*Interruptions*)... 1 have seen it. It is in the list of Special Mentions. If you want, I would allow you to read it.

श्री रामविलास पासवान : सर, मेरा आपसे आग्रह है कि मेरा स्पेशल मेन्शन में नाम है, लेकिन हमें जल्दी जाना है, इसलिए आप हमें पहले बोलने के लिए एलाऊ कर दीजिए।

श्री उपसभापति : ठीक है। ...(*Interruptions*)...

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa) : Sir, I have a Special Mention to make.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh) : Sir, I have a Zero Hour mention.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No more Zero Hour. Your name is not there. You may give notice for tomorrow. ...(*Interruptions*)... Now, Mr. Ram Vilas Paswan, I willl call your name. Let me first put the House in order. Mr. Rao, your Special Mention is not there in the list for today. You may renew the notice. It would be considered for tomorrow. It is not there in the list. ...(*Interruptions*)...

SHRI SHANTARAM NAIK: Sir, I have my name listed for Special Mention.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I will call you for Special Mention. ...(*Interruptions*)...

SHRI V. HANUMANTHA RAO : Sir, what about my Zero Hour mention?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : It is not there in today's list. You may renew the notice for tomorrow. Now, Special Mentions. Mr. Paswan, I will allow you to read it as a special case. I will call your name after two names. Dr. Gyan Prakash Pilania, not present; Shri Avinash Rai Khanna.

SPECIAL MENTIONS

*Demand for issuing a postal stamp to commemorate 150 years of Kuka Movement

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : जैसा कि हम सब जानते हैं कि देश की आजादी के लिए नामधारी सिखों द्वारा कूका आंदोलन शुरू किया गया था और श्री सतगुरु रामसिंह जी

---

* Laid on the Table.

[श्री अविनाश राय खन्ना]

और उनके बहुत से अनुयायियों ने देश की आजादी के लिए योगदान दिया था। हमें यह भी ज्ञात है कि नामधारी इतिहास में 65 नामधरियों को तोपों से उड़ा दिया गया था, जिनमें एक बारह साल का बच्चा, जिसका नाम शहीद बिशन सिंह था, वह भी उन्हीं में था। गऊ सेवा, समाज सेवा और समाज में से बहुत सी कुरीतियों को खत्म करने में नामधारी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। काफी समय से मैं और पंजाब सरकार खुद सरकार से निवेदन कर रहे हैं कि कूका आंदोलन के 150 वर्ष के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट जारी किया जाए। इससे हम सतगुरु रामसिंह जी व उनके द्वारा किये गए कार्यों को याद रखते हुए छोटा सा योगदान दे सकते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now, Mr. Paswan, you may read your Special Mention.

Demand for increasing number of attempts and relaxing age limit for civil services aspirants affected due to new pattern of examination effected by UPSC

श्री रामविलास पासवान (बिहार) : महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन व सरकार का ध्यान यूपीएससी द्वारा की जा रही व्यापक विसंगतियों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। यूपीएससी द्वारा जब भी कोई व्यापक परिवर्तन किया गया, तब-तब पुराने पैटर्न पर तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परिवर्तन के अनुरूप अपने आपको समायोजित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास व आयु सीमा में छूट दी गई। लेकिन 2011 से 2013 के मध्य किए गए व्यापक बदलाव से दुष्प्रभावित लाखों प्रतियोगियों को कोई अतिरिक्त प्रयास व आयु सीमा में छूट नहीं दी गई। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (वीरप्पा मोइली आयोग) की रिपोर्ट में सिविल सेवा परीक्षा पैटर्न में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने की स्थिति में अभ्यर्थियो को अतिरिक्त समय एवं प्रयास दिए जाने का स्पष्टत: उल्लेख किया गया है।

इंडियन एक्सप्रेस में 17 सितम्बर, 2013 को प्रकाशित न्यूज़ के अनुसार (लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की सूचनाओं में कहा गया है कि) यूपीएससी सिविलि सर्विसिज़ में ग्रामीण पृष्ठिभूमि के प्रतियोगितायों का प्रतिशत बहुत कम होता जा रहा है। परिवर्तन के पूर्व जहां ग्रामीण भारत का प्रतिनिधित्व आईएएस, आईपीएस और आईएफएस में 63-67 प्रतिशत था, वहीं परिवर्तन के बाद यह घट कर केवल 27 प्रतिशत रह गया है।

अत: मैं आपसे आग्रह करता हूं कि 2011 से 2013 के परिवर्तन से दुष्प्रभावित प्रतियोगियों को तीन अतिरिक्त प्रयास व आयु सीमा में छूट दी जाए। इस पर त्वरित कार्यवाही की जाए ताकि प्रतियोगियों के साथ न्याय हो सके। इससे ग्रामीण व गैर-तकनीकी पृष्ठभूमि के प्रतियोगियों के साथ न्याय होगा व यूपीएससी सिविल सर्विसिज़ में उनका समुचित प्रतिनिधित्व हो सकेगा।